विषय-सूची

अध्याय १

१. संस्कृत साहित्य का महत्त्व ... १
२. यूरोप के ऊपर संस्कृत साहित्य का प्रभाव ... ५
३. संस्कृत में ऐतिहासिक तत्त्व का अभाव ... ८
४. संस्कृत और आधुनिक भाषाएं ... ११
५. क्या संस्कृत बोल-चाल की भाषा थी ? ... १५
६. श्रेण्य संस्कृत की विशेषताएं ... १६

अध्याय २

रामायण और महाभारत

७. ऐतिहासिक महाकाव्यों की उत्पत्ति ... २३
८ (क) रामायण, (ख) इसका महत्त्व, (ग) इसके संस्करण, (घ) इसका वर्णनीय विषय, (ङ) इसके उपाख्यान, (च) इस की विशुद्धता, (छ) इसका काल, (ज) शैली। २५
९. (क) महाभारत—इसके विस्तार की कथाएं, (ख) इसका महत्त्व, (ग) (१) इसके साधारण संस्करण, (२) इसके आलोचनापूर्ण संस्करण, (३) इसकी टीकाएं, (घ) इसका वर्णनीय, विषय, (ङ) इसके उपाख्यान, (च) इसने वर्तमान रूप कैसे प्राप्त किया ? (छ) इसका काल, (ज) शैली। ३५
१० दोनों ऐतिहासिक महाकाव्यों का अन्योन्य सम्बन्ध (क) परिमाण, (ख) रचयितृत्व, (ग) मुख्य ग्रन्थभाग, (घ) दोनों महाकाव्यों का विकास, (ङ) पारस्परिक सम्बन्ध, (च) रचना-स्थान, (छ) पारस्परिक समय-साम्य ४७

अध्याय ३

पुराण

११. (क) पुराणों की उत्पत्ति ... ५२
(ख) पुराणों का उपचय ... ५३
(ग) पुराणों का विषय ... ५३
(घ) पुराणों में इतिहास ... ५५
(ङ) पुराणों का काल .. ५६

अध्याय ४

भास

१२. संस्कृत साहित्य में भास का स्थान ... ६४
१३. क्या इन नाटकों का रचयिता एक ही व्यक्ति है ६६
१४. तब इन का रचयिता कौन है ? ... ७०
१५. भास के अन्य ग्रन्थ ... ७२
१६. भास की शैली ... ७३
१७. काल ... ७४

अध्याय ५

अर्थ-शास्त्र

१८. (क) अर्थ शास्त्र का महत्व ... ८१
(ख) रचयिता ... ८२
(ग) ग्रन्थ और रचनाकाल ... ८५
(घ) शैली ... ८६

अध्याय ६

कालिदास

१६. ईसा पूर्व की प्रथम शताब्दी में संस्कृत का पुनरुज्जीवन ६१
२०. कालिदास ... ६२
२१. ग्रन्थों के मौलिक भाग ... १०७
२२. नाटकों के नाना संस्करण ... १०६
२३. काल ... १११
२४. कालिदास के विचार ... ११८
२५. कालिदास की शैली ... १२०

अध्याय ७

अश्वघोष

२६. अश्वघोष का परिचय .. १२४
२७. अश्वघोष की नाट्यकला ... १२५
२८. अश्वघोष के महाकाव्य ... १२६
२६. अश्वघोष के अन्य ग्रन्थ ... १३०
३०. अश्वघोष की शैली ... १३१

अध्याय ८

महाकाव्य

३१. सामान्य परिचय . १३५
३२. भारवि १३६
३३. भट्टि ... १४०
३४. माघ १४२
३५. रत्नाकर कृत हरविजय ... १४६
३६. श्री हर्ष १४६

अध्याय ९

काव्य-निर्माता

३७. वत्स भट्टि ... १४८
३८. सेतु बन्ध .. १४८
३९. कुमारदास का जानकी हरण ... १४९
४०. वाक्पति का गउडवह १५१
४१. कविराज कृत राघव पाण्डवीयम् ... १५२
४२. हरदत्तसूरि कृत राघव नैषधीयम् ... १५२
४३. चिदम्बर कृत यादवीय राघव पाण्डवीय ... १५२
४४. हलायुध कृत कविरहस्य .. १५३
४५. मेण्ठ ... १५३
४६. मातृगुप्त .. १५३
४७. भौमक कृत रावणार्जुनीयम् ... १५३
४८. शिवस्वामि कृत कप्फनाभ्युदय ... १५३
४९. कादम्बरी कथा सार ... १५४
५०. क्षेमेन्द्र .. १५४
५१. मयूर कृत श्रीकण्ठ चरित ... १५४
५२. रामचन्द्र कृत रसिकरञ्जन ... १५४
५३. कतिपय जैन ग्रन्थ . १५४
५४. ईसा की छटी शताब्दी में संस्कृत के पुनरुत्थान का वाद ... १५५

अध्याय १०

संगीत काव्य और सूक्ति सन्दर्भ

५५. संगीत (खण्ड) काव्य की आविर्भाव — १५९
५६. शृंगार तिलक ... १६१

५७. घटकर्पर ... १६२
५८. हाल की सतसई (सप्त शती) ... १६२
५९. भर्तृ हरि ... १६४
६०. अमरु ... १६६
६१. मयूर ... १६८
६२. मातङ्ग दिवाकर ... १६८
६३. मोह मुद्गर ... १६८
६४. शिल्हण का शान्ति शतक ... १६८
६५. बिल्हण की चौर पञ्चाशिका ... १६९
६६. जयदेव ... १६९
६७. शीला भट्टारिका ... १७३
६८. सूक्ति सन्दर्भ ... १७३
६९. औपदेशिक (नीति परक) काव्य ... १७५

अध्याय ११

ऐतिहासिक काव्य

७०. भारत में इतिहास का प्रारम्भ ... १७७
७१. बाण का हर्ष चरित्र १७९
७२. पद्मगुप्त का नवसाहसाङ्क चरित ... १८०
७३. बिल्हण ... १८१
७४. कल्हण की राजतरंगिणी ... १८३
७५. छोटे छोटे ग्रन्थ ... १८८

अध्याय १२

गद्य काव्य (कहानी) और चम्पू

७६. गद्य काव्य का आविर्भाव ... १९०
७७. दण्डी ... १९२

७८. दशकुमार चरितम् ... १९६
७९. सुबन्धु की वासव दत्ता ... २००
८०. बाण की कादम्बरी ... २०५
८१. चम्पू ग्रन्थ ... २१३

अध्याय १३

लोकप्रिय कथा ग्रन्थ

८२. गुणाढ्य की बृहत्कथा ... २१५
८३. बुद्धस्वामी का श्लोक संग्रह ... २२०
८४. क्षेमेन्द्र की बृहत्कथामञ्जरी ... २२२
८५. सोमदेव का कथासरित्सागर .. २२३
८६. बैतालपञ्चविंशतिका . २२५
८७. शुकसप्तति ... २२७
८८. सिंहासनद्वात्रिंशिका ... २२८
८९. बौद्ध साहित्य २२९
९०. जैन साहित्य ... २३४

अध्याय १४

औपदेशिक जन्तु कथा

९१. औपदेशिक जन्तु कथा का स्वरूप . २३६
९२. औपदेशिक जन्तुकथा का उद्भव ... २३७
९३. असली पञ्चतन्त्र ... २३९
९४. पञ्चतन्त्र की वर्ण्य वस्तु ... २४५
९५. पञ्चतन्त्र की शैली ... २४८
९६. तन्त्राख्यायिका ... २५३
९७. सरल ग्रन्थ ... २५४
९८. पूर्णभद्रनिष्पादित पञ्चतन्त्र २५५

९९. दक्षिणीय पञ्चतन्त्र ... २५५
१००. नेपाली संस्करण .. २५६
१०१. हितोपदेश ... २५६
१०२. बृहत्कथा संस्करण अथवा उत्तर-पश्चिमीय ...
संस्करण .. २५९
१०३. पह्लवी संस्करण और कथा की पश्चिम यात्रा ... २६०

अध्याय १५
रूपक

१०४. रूपक का उद्भव ... २६२
१०५. रूपक का यूनानी उद्भव ... २७४
१०६. संस्कृत रूपक की विशेषताएं ... २७७
१०७. कतिपय महिमशाली रूपक ... २८२
१०८. शूद्रक ... २८२
१०९. हर्ष के नाम से प्रचलित तीन रूपक ... २८६
११०. मुद्राराक्षस ... २९१
१११. वेणीसंहार ... २९४
११२. भवभूति ... २९५
११३. राजशेखर ... ३०५
११४. दिङ्नागरचित कुन्दमाला .. ३०७
११५. मुरारि .. ३१०
११६. कृष्णमिश्र . ३१२
११७. रूपक-कला का ह्रास ... ३१२

परिशिष्ट-वर्ग

१. पाश्चात्य जगत में संस्कृत का प्रचार कैसे हुआ ? ३१४
२. भारतीय वर्ग-माला का उद्भव .. ३१८
३ नामों के अर्थ ज्ञान का इतिहास ३२८

लेखक के अन्य ग्रन्थ

मौलिक

१. आदर्श कथा मञ्जरी—भारतीय सभ्यता को समुज्ज्वल करने वाली मूल लिखित कुछ एक अतीव रोचक कहानियां जिनसे कि निबन्ध लिखने के लिए भी पर्याप्त सामग्री मिल सकती है — अप्राप्य

२. महाराजा रणजीतसिंह—प्रामाणिक ग्रन्थों के आधार पर लिखित महाराजा रणजीतसिंह का जीवन चरित्र — अप्राप्य

3. Practical Guide to Sanskrit Translation (indispensable for college students) — प्रैस में

4. A Study of Sanskrit Grammar for college students (written on modern scientific method) — प्रैस मे

5. A Short History of Sanskrit Literature (in English) — प्रैस में

६. हमारी सभ्यता और विज्ञान कला — २-८-०

७. हमारी विभूतियां—भारत के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञों, विचारकों, वैज्ञानिकों की जीवनियां — २-४-०

८. संस्कृत साहित्य का इतिहास—संस्कृत में — प्रैस में

9. Sanskrit Readers

संग्रह

१. उत्कृष्ट कहानियां — १-८-०

२. दिव्य बलिदान—चुने हुए एकांकियों का संग्रह — २-४-०

३. हमारे महामानव—भारत के महानुभावों की जीवनियां — २-८-०

४. गद्य पीयूष—गद्यात्मक संग्रह — ३-०-०

५. साहित्य प्रवेश—गद्यपद्यात्मक संग्रह — ३-१२-०

इत्यादि